घर में लकड़ी का मंदिर रखते हैं... तो वास्तु शास्त्र के इन 5 नियमों को जरूर जानें

घर में लकड़ी का मंदिर रखने से वास्तु के कई नियम जुड़े हुए हैं। आप अगर घर में लकड़ी का मंदिर रखते हैं, तो आपको इससे जुड़े कुछ नियमों और उपायों के बारे में जरूर पता होना चाहिए, जिससे कि आपके घर में सकारात्मकता का वास हो सके। आइए, जानते हैं घर में लकड़ी के मंदिर से जुड़ी खास बातें। आपने अपने आसपास ऐसे कई घरों को देखा होगा, जहां पर लकड़ी का मंदिर बना होता है। आजकल बदलते समय के अनुसार घर में लकड़ी का मंदिर रखने का चलन काफी बढ़ गया है। घरों में लकड़ी का मंदिर रखने का एक कारण यह भी है कि आजकल मॉर्डन घरों में स्पेस की बहुत कमी होती है, इसलिए लोग घरों में लकड़ी का मंदिर लगाना पसंद करते हैं लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में लकड़ी का मंदिर लगाने से कई नियम भी जुड़े होते हैं। आइए, जानते हैं घर में लकड़ी का मंदिर लगाने से जुड़े नियम।

किस पेड़ की लकड़ियां है इसका पड़ता है असर

घर पर रखा लकड़ी का मंदिर किसे लकड़ी का बना हुआ है, इस बात को सुनिश्चित करता है कि आपके घर का मंदिर शुभ है या अशुभ। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ पेड़ों की लकड़ियों को शुभ माना जाता है और अगर इन लकड़ियों से घर का मंदिर बनाया जाए, तो मंदिर शुभ होता है लेकिन ध्यान रहे कि लकड़ियां दीमक वाली नहीं होनी चाहिए।

मंदिर के लिए पूर्व-पश्चिम दिशा है शुभ

पूर्व-पश्चिम दिशा का अर्थ यह है कि अगर सम्भव हो, तो अपने घर में लकड़ी का मंदिर पूर्व दिशा की ओर स्थापित करें। आप जब भी मंदिर की पूजा करें, तो आपका चेहरा पूर्व दिशा की तरफ होना चाहिए और आपकी पीठ पश्चिम दिशा की तरफ होनी चाहिए। वास्तु शास्त्र के अनुसार पूर्व के अलावा उत्तर दिशा को भी मंदिर रखने के लिए अच्छा माना जाता है।

लकड़ी के मंदिर में जरूर बिछाएं पीला या लाल कपड़ा

आप अगर अपने घर में लकड़ी का मंदिर रखने का मन बना चुके हैं, तो लकड़ी के मंदिर में पीले या लाल रंग का कपड़ा जरूर बिछाएं। इसे शुभ माना जाता है। कभी भी भगवान की मूर्ति या तस्वीर सिर्फ लकड़ी पर ही न रखें। कपड़ा बिछाकर ही भगवान की मूर्ति रखें।

नहीं आनी चाहिए धूल-मिट्टी या

वैसे तो हर मंदिर और घर को साफ रखना चाहिए लेकिन आपको सुनिश्चित करना चाहिए कि लकड़ी के मंदिर में कहीं भी धूल-मिट्टी या दीमक नहीं होना चाहिए। यह नकारात्मक ऊर्जा का कारण बन सकता है। जब लकड़ी का मंदिर पुराना हो जाता है, तो इसमें दीमक का खतरा बना रहता है, इसलिए समय-समय पर लकड़ी के मंदिर को चेक करना चाहिए।

दीवार पर न लटकाएं मंदिर

आमतौर पर घर में स्पेस की कमी होने से कुछ लोग घर की दीवार पर लकड़ी का मंदिर लटका देते हैं लेकिन वास्तु शास्त्र के अनुसार मंदिर दीवार पर टांगने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास नहीं होता, इसलिए कोशिश करनी चाहिए कि लकड़ी का मंदिर दीवार पर नहीं बल्कि घर में किसी सुरक्षित स्थान पर ही रखें। अगर आपके घर में स्पेस की दिक्कत है, तो छोटा ही मंदिर रखें लेकिन जमीन पर उसे जगह दें।

वास्तु के पांच तत्व और मानव शरीर

प्राकृतिक ऊर्जा, सूर्य रश्मियां, गुरुत्वाकर्षण बल, भूगर्भीय ऊर्जा, चुम्बकीय शक्ति इत्यादि का मानव जीवन के बीच समन्वय एवं संतुलन स्थापित करना ही वास्तु शास्त्र का प्रमुख उद्देश्य है। भवन निर्माण में वास्तु सिद्धांतों का परिपालन करते हुए निर्धारित वास्तु सम्मत दिशाओं से प्राकृतिक तत्वों एवं उर्जा का तालमेल व्यक्ति के सुखी जीवन के लिए आवश्यक है। वास्तु शास्त्र में जल तत्व, अग्नि तत्व, वायु तत्व, पृथ्वी तत्व एवं आकाश तत्व, इन्हीं तत्वों को संतुलित करने का प्रयास किया जाता है ताकि नवनिर्मित भवन अथवा पहले से निर्मित भवन आदि परिसर, परिवार के लिए सुख, समृद्धिदायक और उन्नतिशील सिद्ध हो सके।

मानव शरीर में स्थित मूलाधार चक्र, स्वाधिष्ठान चक्र, मणिपूर चक्र, अनाहत चक्र, विशुद्ध चक्र, आज्ञा चक्र एवं सहस्त्रार चक्र का संबंध प्रकृति के जल तत्व, अग्नि तत्व, वायु तत्व, पृथ्वी तत्व एवं आकाश तत्व से है। वास्तु शास्त्रों में विभिन्न दिशाओं का संबंध अलग- अलग तत्वों से है, जैसे ईशान कोण के लिए जल तत्व, आग्नेय के लिए अग्नि तत्व, वायव्य के लिए वायु तत्व, नैऋत्य के लिए पृथ्वी तत्व एवं ब्रह्मस्थल के लिए आकाश तत्व का विशेष महत्व है।

जल तत्व - वास्तु के अनुसार, भूमिगत पानी के स्त्रोत ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) में होना अति उत्तम माना गया है, क्योंकि ईशान कोण में सुबह के समय सूर्य से मिलने वाली प्राणदायी किरणें जल को शुद्ध करती हैं और वही सूर्य रश्मियां व्यक्ति को स्वास्थ्य लाभ प्रदान करती हैं।

अग्नि तत्व - सूर्य सृष्टि का संचालक है, इसलिए सूर्य से मिलने वाली ऊर्जा शक्ति का मानव जीवन में अत्यधिक महत्व है। सूर्य की सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव भवन के पूर्व, उत्तर, ईशान, पश्चिम-वायव्य एवं दक्षिण-आग्नेय दिशा में सर्वाधिक होता है। इन ऊर्जा शक्तियों से शुभ परिणाम प्राप्त करने के लिए उपरोक्त दिशाओं को अन्य दिशाओं की अपेक्षा खुला रखना अत्यंत आवश्यक होता है।

वायु तत्व - प्राण वायु, आक्सीजन के बिना सृष्टि का चलना असंभव है। मकान में हवा के आवागमन के लिए उचित स्थान बनाया जाना चाहिए क्योंकि शुद्ध वायु का सेवन जीवन के स्वास्थ्य एवं दीर्घायु हेतु बहुत आवश्यक है। हालांकि हवा हर दिशा से आती है, लेकिन उत्तर-पश्चिम दिशा, जिसे वायव्य कोण भी कहा जाता है, सर्वश्रेष्ठ है। इस कोण की पश्चिमी-वायव्य दिशा, वायु के संचारण हेतु मुख्य रूप से उपयोगी मानी गई है। इस दिशा से वायु-तत्व प्राप्त करना दीर्घायु सूचक है।

पृथ्वी तत्व - समस्त संसार आकर्षण और विकर्षण से प्रभावित होता है। पृथ्वी के उत्तर-दक्षिण दिशा में चुम्बकीय ध्रुव विद्यमान रहते हैं। इससे हमें गुरुत्वाकर्षण की शक्ति मिलती है। यह चुम्बकीय ऊर्जा उत्तरी ध्रुव से दक्षिणी ध्रुव की तरफ चलती है। मानव शरीर के मस्तिष्क में उत्तरी ध्रुव विद्यमान है, इसलिए वास्तु में दक्षिण में मस्तिष्क एवं उत्तर दिशा की तरफ पैर करके शयन का निर्देश दिया गया है, जिससे शरीर को चुम्बकीय शक्ति एवं नैसर्गिक ऊर्जा शक्ति का लाभ मिलता रहे।

आकाश तत्व - आकाश तत्व का सम्बंध देवगुरू बृहस्पति से माना गया है। वास्तु शास्त्र में विषय में इसे ब्रह्म स्थान कहा जाता है। इस तत्व की पूर्ति करने के लिए पुराने जमाने में मकान के मध्य में खुला आंगन रखा जाता था, ताकि अन्य सभी दिशाओं में इस तत्व की आपूर्ति हो सके। आकाश तत्व से अभिप्राय यह है कि गृह निर्माण में खुलापान रहना चाहिए। मकान में कमरों की ऊंचाई के कारण उत्पन्न वास्तुदोष आकाश तत्व को प्रभावित करता है। ब्रह्म स्थान खुला होने पर दूषित वायु यहीं से आकाश की ओर विसर्जित होती हैं।

क्या कहते आपके सितारे

मेष नयी जॉब की शुरुआत कर रहे हैं, तो थोड़ी सावधानी रखें। जोखिम भरे कार्यों से दूरी बनाकर रखें। जीवनसाथी के साथ तनाव में वृद्धि हो सकती है। परिस्थितियों को सम्भालने में थोड़ी कठिनाई होगी। बड़े बुजुर्ग आपसे असन्तुष्ट हो सकते हैं। अपनी वाणी पर नियन्त्रण रखें।

वृषभ छात्र अपने भविष्य को लेकर थोड़े चिन्तित रहेंगे। मन की इच्छाओं को प्रकट करने से बचें। आपका मन किसी कारण से अप्रसन्न हो सकता है। बिना मतलब की बातों में समय बर्बाद न करें। गले और छाती में विकार उत्पन्न हो सकते हैं।

मिथुन अचानक आपको उच्च पद मिल सकता है। आपके मन में अच्छे विचारों का प्रभाव रहेगा। अपने लक्ष्यों के प्रति निष्ठावान रहेंगे। किसी गम्भीर समस्या का आपको समाधान मिल सकता है। बीमार लोगों को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। कार्य व्यवसाय में आपके व्यवहार की प्रशन्सा होगी।

कर्क घर में नजदीकी सम्बन्धियों का आगमन होगा। घर की बातें कहीं बाहर न जायें इसका ध्यान रखें। विदेशों से नौकरी के प्रस्ताव मिल सकते हैं। व्यवसाय में लक्ष्य तय समय पर प्राप्त कर लेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतरीन सफलता मिलने के आसार हैं। प्रियजनों के साथ आनन्द युक्त समय बितायेंगे।

सिंह व्यवसाय में लाभ के अवसर चूक सकते हैं। अपनी गलतियों की ज़िम्मेदारी स्वयं लें दूसरों पर न लादें। बच्चे रचनात्मक कार्यों में रुचि ले सकते हैं। वरिष्ठ अधिकारियों से अनबन हो सकती है। क्रोध और आवेग से आपको बचना चाहिये। पेट में मरोड़ उठने की सम्भावना है।

कन्या व्यापार में जबरदस्त गति होने की सम्भावना है। रुका हुआ धन आपको प्राप्त हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को परेशानी हो सकती है। अपने खर्चों का हिसाब रखें। जीवनसाथी से कड़वी बातें सुननी पड़ेगी। मानसिक रूप से सन्तुष्ट रहेंगे। अनावश्यक बातों में समय नष्ट न करें।

तुला जीवनसाथी के साथ आपकी नजदीकी बढ़ेगी। किसी बड़ी समस्या का समाधान मिलने की सम्भावना है। सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आज पूरा दिन काफी अच्छा व्यतीत होगा। सन्तान से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा।

वृश्चिक आपका ध्यान व्यर्थ गतिविधियों में जा सकता है। कुछ लोग आपके सरल स्वभाव का लाभ उठा सकते हैं। पैतृक सम्पत्ति का लाभ प्राप्त होगा। बड़े भाई-बहनों के साथ सम्बन्ध सुधरेंगे। सहकर्मियों का पूरा सहयोग मिलेगा। आपकी छोटी-छोटी गलतियों को लोग बढ़ा-चढ़ाकर दिखा सकते हैं। व्यवसाय में लाभ के अवसर मिलने की सम्भावना है।

धनु अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। विवाह योग्य जातकों को उत्तम प्रस्ताव मिल सकते हैं। रुक-रुक कर आपके सभी काम पूर्ण हो जायेंगे। नयी योजनाओं में धन निवेश कर सकते हैं। घर के सदस्यों में आपसी तालमेल अच्छा रहेगा। प्रेमी जन के साथ आपके सम्बन्ध मधुर रहेंगे।

मकर नकारात्मक वातावरण से बचने का प्रयास करें। दोस्तों के साथ पार्टी का आयोजन कर सकते हैं। अपनी कार्यक्षमता पर विश्वास बनाये रखें। मौसम में आये परिवर्तन के कारण कफ की समस्या हो सकती है। अकड़ू व्यवहार के कारण आपको परेशानी हो सकती है। लम्बी यात्राओं में जाना पड़ सकता है।

कुंभ सरकारी नौकरी से जुड़े लोगों के वेतन बढ़ने की सम्भावना है। आपके व्यवहार से लोग प्रसन्न रहेंगे। जीवनसाथी के व्यवहार से आप काफी आनन्दित हो सकते हैं। आपके मस्तिष्क में नवीन योजनाओं की रूपरेखा बन सकती है। आप दवाओं पर धन खर्च कर सकते हैं।

मीन कारोबार में आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। आशा के अनुरूप परिणाम मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। यात्राओं से लाभ प्राप्त होगा। मित्रों के सहयोग से आपके सभी काम आसानी से हो जायेंगे। आज कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी। शारीरिक रूप से काफी सक्रिय रहेंगे।